

नेहरू काल

- भारत 15 अगस्त, 1947 को आजाद हुआ और पाकिस्तान 14 अगस्त, 1947 को पैदा हुआ।
- भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ। इस विभाजन में अंग्रेजों ने एक बड़ी गलती कर दी उन्होंने कहा था जिन्हें पाकिस्तान में रहना है वो पाकिस्तान चले जाए और जिन्हें भारत में रहना है वो भारत में रह जाए। इसके अलावा उसने यह भी कहा था कि जिसको स्वतंत्र रहना है वह स्वतंत्र रह जाए। इसमें काश्मीर के राजा हरिसिंह की दूरदर्शिता नहीं थी। हरि सिंह के प्रधानमंत्री शेख अब्दुल्ला थे। शेख अब्दुल्ला के कहने पर हरिसिंह काश्मीर को स्वतंत्र रहने के लिए कह दिए। इसी बीच पाकिस्तान ने काश्मीर पर हमला कर दिया और वहां कबायली के भेष में आतंकवादियों को काश्मीर में भेज दिया। हरि सिंह नेहरू के पास मदद के लिए आये। सरदार पटेल ने हरिसिंह से 26 अक्टूबर, 1947 को विलय पत्र पर हस्ताक्षर कराए और सेना की जिम्मेदारी विग्रेडियर उस्मानी को देकर भेज दी गई। यह युद्ध 1948 तक चली थी। जब तक हमारी सेना वहाँ पहुँची तब तक पाकिस्तान काश्मीर का 30% हिस्सा कब्जा कर चुका था और वहीं से भारत पाक सिमा का निर्धारण हो गया।
- जवाहर लाल नेहरू ने इस मुद्दे को UNO में ले जाकर बहुत बड़ी गलती कर दिए। आज तक यह मुद्दा UNO में लटकी हुई है।
- शेख अब्दुल्ला के कहने पर हरि सिंह ने भारत से काश्मीर के लिए अलग संविधान बनाने की मांग की उसमें बहुत सारी शर्तें रखी—
 - ◆ इसमें जम्मू-काश्मीर की सिमाएं भारत की सिमाएं हैं। जम्मू-काश्मीर में भारत की कोई संविधान लागू नहीं होगा। यहाँ राष्ट्रपति का शासन लागू नहीं होगा, यहाँ राष्ट्रीय आपात लागू नहीं होगा। बाहर के लोग यहाँ आकर हमेशा के लिए वश नहीं सकते। सबसे खराब बात यह कहा गया था की पाकिस्तान की कोई लड़की यदि जम्मू-काश्मीर में आकर शादी करती है, तो जम्मू-काश्मीर की नागरिकता दे दी जाएगी। लेकिन भारत की लड़की यदि जम्मू-काश्मीर में शादी करती है तो उसे नागरिकता नहीं दी जाएगी। हरि सिंह की मृत्यु हो गई और जम्मू-काश्मीर की बागडोर शेख अब्दुल्ला के हाथ में चली गई।
- भारत को अंदेशा इस बात का था कि अगर चीन से युद्ध न हो तो सब कुछ सही हो जाएगा। किसी भी तरह चीन से युद्ध टाला जाए। जवाहरलाल नेहरू उस समय भारत के प्रधानमंत्री थे उन्होंने सोचा कि हम कैसे भी करके चीन के साथ युद्ध को टाल देते हैं। इन्होंने चीन के साथ एक समझौता किया जिसे पंचशील समझौता कहते हैं। यह पंचशील समझौता 1954 में हुआ था। यह समझौता जवाहरलाल नेहरू तथा चीन के राष्ट्रपति चाऊ मेन लाई के साथ हुआ था। इस पंचशील समझौता में पाँच बात कही गई थी—इस समझौता में यह बात कही गई थी कभी भी भारत चीन के बीच युद्ध न हो सके। उस समय हमारे भारतीय वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा थे। इन्हीं के पास भारत का परमाणु विभाग था। इन्होंने कहा था कि हम 20 साल में परमाणु बम बनाने में सक्षम हो जाएंगे।
- पंचशील समझौता के पाँच शर्तें—
 1. एक दूसरे की अखण्डता का ध्यान रखना है।
 2. एक दुसरे के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप नदी करना है।
 3. सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी की एक दुसरे पर युद्ध नहीं करना है।
 4. अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर एक-दुसरे का सहायता करना है।
 5. एक दुसरे को समान लाभ पहुँचाता हो
- इसी समझौता में हिन्दी चिनी भाई-भाई का नारा दिया गया था। इस समझौता का मुख्य उद्देश्य यही था कि किसी भी तरह युद्ध को रोका जाए और आपसी समनमय बनाया जाए।
- इसी बीच में नेहरू से एक बड़ी गलती हो गई—जब चीन तिब्बत पर कब्जा किया तो नेहरू ने - उसकी आंतरिक मामला कहा लेकिन यही बात जब जम्मू-काश्मीर पर आयी तो चाइना ने यह कह कर टाल दिया कि हम इसका आंतरिक रूप से अध्ययन करेंगे उसके बाद अपना विचार रखेंगे। यह समझौता 20 साल की होने थी, लेकिन चाइना ने इसे 6 साल तक ही समझौता किया और इसी आर में चाइना ने 1959 में तिब्बत पर कब्जा कर लिया और भारत कुछ नहीं कर सका।
- तिब्बत के धर्म गुरु दलाई लामा भारत हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में शरण लिये।
- 1960 में चाइना ने Fingure Rule लागू कर दिया। बार-बार चाइना भारत में घुसपैठ करता था। चाइना का पूरा प्लान 1962 का था और इस बारे में नेहरू को थोड़ा-सा भी पता नहीं था। चाइना अपना घुसपैठ जारी रखा। चाइना अपने आर्मी को तिब्बत में भेजने लगा और वहाँ से अरुणाचल प्रदेश और जम्मू-काश्मीर में।
- जब नेहरू नेपाल गये और काठमांडु एयरपोर्ट पर उतरे तो मिडिया ने उनसे पुछा कि आपकी पंचशील समझौता के बावजूद क्यों चाइना ने भारत के क्षेत्र में प्रवेश किया, तो नेहरू ने कहा कि ऐसा कोई घटना नहीं हुई है। वैसे भी मैंने भारतीय सेना को आदेश दिया है कि कोई भी अगर भारत में घुसे तो उसे बाहर कर दिया जाए।
- चाइना ने कहा कि यह युद्ध की धमकी है और अपनी सेना की ताकत झोंक दिया। भारतीय सेना बहुत बहादुरी से लड़ी। चाइना ने अरुणाचल प्रदेश तथा काश्मीर के क्षेत्र पर कब्जा कर लिया बाद में अरुणाचल प्रदेश का क्षेत्र लौटा दिया, लेकिन जम्मू-काश्मीर का 10% क्षेत्र नहीं लौटाया। जिसे चाइना अक्साई चीन कहता है।
- चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना अधिकार बताता है और उसे दक्षिण तिब्बत कहता है।

- ताइवान एक स्वतंत्र देश है किंतु चीन इसे अपना राज्य बताता है। One China Policy के तहत जो देश चीन से संबंध रखना चाहते हैं उन्हें One China Policy स्वीकार करना पड़ता है।
- 1997 में हांगकांग जो ब्रिटेन के अधीन था चीन ने उस अधिकार कर लिया।
- 2000 में मकाऊ जो पुर्तगाल के अधीन था चीन ने उस पर अधिकार कर लिया।
- 2017 में भूटान के चुम्बी घाटी में स्थित डोकलाम पर चीन अपना अधिकार बताने लगा किंतु भारत के विरोध के कारण उसे पीछे हटना पड़ा, क्योंकि भूटान की रक्षा की जिम्मेदारी भारत की है।

भारत पाक युद्ध

- 14 अगस्त, 1947 को पाकिस्तान पैदा हुआ। 1948 में इसने काश्मीर के 30% क्षेत्र पर कब्जा कर लिया, जिसे POK कहते हैं।
- 1956 में पाकिस्तान ने खुद को इस्लामिक राष्ट्र घोषित कर लिया।
- 1965 का भारत-पाक युद्ध ताश्कंद समझौता के द्वारा समाप्त हुआ।
- 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच बांग्लादेश को लेकर युद्ध हुआ। बांग्लादेश पहले पूर्वी पाकिस्तान था किंतु भारत के सहयोग से शेख मुजिबुल रहमान ने मुक्ति वाहिनी के द्वारा बांग्लादेश का निर्माण किया। इस युद्ध में पाकिस्तान के 93 हजार सेना आत्म समर्पण की थी। यह युद्ध शिमला समझौता के बाद समाप्त हुआ।
- 1972 में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को स्वतंत्र घोषित किया।
- 1984 में पाकिस्तान ने विश्व के सबसे ऊँचा तथा सबसे ठंडा युद्ध का मैदान सियाचीन में घुसपैठ कर दिया। जिसके बदले भारतीय सेना ने ऑपरेशन मेघदुत तथा राजीव चलाया।
- 1999 में पाकिस्तानी घुसपैठियों ने कारगिल में घुसपैठ कर दिया। भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय चलाया जबकि, भारतीय वायु सेना ने ऑपरेशन सागर चलाया।
- 1984 में स्वर्ण मंदिर में घुसे सिक्ख विद्रोहियों को निकालने के लिए ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया गया।
- 2008 में ताज होटल में घुसे आतंकवादियों को निकालने के लिए ऑपरेशन ब्लैक टोरनाडो चलाया गया।
- **कोरिया युद्ध**—कोरियाई प्रायद्वीप को दो भागों में बाँट दिया गया। उत्तरी कोरिया रूस के साथ हो गया और दक्षिणी कोरिया अमेरिका के साथ हो गया। इन दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमला करना प्रारंभ कर दिया। इन दोनों देशों को हथियार के पूर्ति अमेरिका तथा रूस करते थे। इन दोनों के बीच 1950-53 तक तीन सालों तक युद्ध चला। जिसे कोरियाई युद्ध कहा गया। इस युद्ध के फलस्वरूप 38° समानान्तर रेखा खींच दी गई। यही उन दोनों की सीमा रेखा है।
- **वियतनाम युद्ध**—कोरिया संकट के बाद रूस तथा अमेरिका वियतनाम में प्रवेश कर गये और वियतनाम को दो भागों में बाँट दिए। इन दोनों ही भागों में आपसी वर्चस्व बनाने के लिए 1955 में युद्ध प्रारंभ हो गया। यह युद्ध 1975 तक चला। इस युद्ध में अमेरिका ने वियतनाम के ऊपर 27 करोड़ बम गिराया। वियतनाम की जनता हो चि मिन के नेतृत्व में एक हो गई और उत्तरी तथा दक्षिणी वियतनाम को अलग करने वाली 17° समानान्तर रेखा समाप्त करके एक हो गए। हो चि मिन को Uncle-ho कहते हैं।
- **क्युबा संकट 1961**—क्युबा अमेरिका का पड़ोसी देश है जहाँ रूस ने परमाणु मिसाइलें लगा दी थी। किन्तु अमेरिका ने वहाँ के फिडेल कास्त्रो की सरकार पर दबाव बना दिया। जिससे रूस को पीछे हटना पड़ा।
- **इराक-इरान युद्ध (1980-88)**—इराक इरान दोनों ही रूस के समर्थक थे। किन्तु दोनों में आपसी वर्चस्व को बनाये रखने के लिए एक-दूसरे से युद्ध कर लिये। यह युद्ध 1980 से 1988 तक चला। इस युद्ध में इराक विजयी रहा और 1988 में युद्ध विराम हो गया।
- **कुवैत-इराक युद्ध**— इराक ने तेल चोरी के कारण तथा कुवैत के कर्ज से बचने के लिए कुवैत पर हमला कर दिया। इराक ने 2 अगस्त, 1990 को कुवैत पर आक्रमण किया और 4 अगस्त, 1990 तक कुवैत को जीत लिया।
- **खाड़ी युद्ध (1990-91)**—सदाम हुसैन ने कुवैत पर अधिकार कर लिया था। अतः कुवैत के बचाव में UNO तथा अमेरिका के नेतृत्व वाली संयुक्त सेना ने Operation Desert Storm के तहत इराक पर आक्रमण कर दिया और सद्दाम हुसैन की सत्ता का अंत कर दिया। इस युद्ध को खाड़ी युद्ध कहते हैं।
- **IC-814 विमान हाइजेक**—लस्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने नेपाल के त्रिभुवन एयर पोर्ट से एयर इंडिया का जहाज IC-814 का अपहरण कर लिया। लस्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने विमान को छोड़ने के बदले खुंखार आतंकवादी मौलाना मसूद अजहर तथा उसके दो साथियों को छोड़ा ले गये।
- लस्कर-ए-तैयबा तथा जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों ने 2001 में भारतीय संसद पर हमला किया। इस हमने के मुख्य अभियुक्त अफजल गुरु को 2012 में फाँसी दे दिया गया।
- इसी आतंकवादी संगठन ने 26 नवम्बर, 2008 को ताज होटल, नरीमन हाउस तथा CST स्टेशन पर हमला किया। जिसे NSG के कमांडो ने ऑपरेशन ब्लैक टोरनेडो द्वारा समाप्त कर दिया।

